एम॰ए॰ I सेमेस्टर

डॉ॰ अनिरुद्ध प्रसाद
हिन्दी विभाग
महाराजा कॉलेज, आरा

तृतीय पत्र

हिन्दी का आदिकाल

D. कवि परिचय

1. चंदबरदायी

चंदबरदायी हिन्दी के पहला कवि माने जाते हैं। इन्होंने ही 'पृथ्वीराज रासो' नामक प्रसिद्ध ग्रंथ की रचना की थी। कहा जाता है कि वह अजमेर के सम्राट पृथ्वीराज चौहान के विश्वस्त मित्र और उनके दरबारी कवि थे। चंदबरदाई भट्ट नामक जाति के जगात गोत्र के माने थे। उनके पूर्वज पंजाब के थे जहाँ इनका जन्म लाहौर में हुआ था। कहा जाता है कि इनका और पृथ्वीराज चौहान का जन्म एक ही दिन था और दोनों ने ही एक साथ इस संसार को छोड़ दिया।

चंदबरदाई पृथ्वीराज के मित्र के साथ ही महाज्ञानी भी थे। वे कई विद्याओं में एक साथ पारंगत थे। उनका ज्ञान व्याकरण, काव्य-भाषा, छंद-शास्त्र, ज्योतिष, पुराण के साथ-साथ साहित्य एवं नाटक आदि विद्याओं में भी थी।

चंदबरदायी द्वारा रचित 'पृथ्वीराज रासो' नामक ग्रंथ उनकी प्रसिद्धि का सबसे बड़ा आधार है। इस ग्रंथ की रचना में ढाई हजार पृष्ठ खर्च हुए थे। इस ग्रंथ में 69 सर्ग हैं, जो विभिन्न खंडो में बँटा है। उन्होंने अपने ग्रंथ में प्रायः सभी छंदो का प्रयोग किया था जो उस समय प्रचलित थे।

कहा जाता है कि इस ग्रंथ को पूरा करने के पहले ही चंदबरदाई की मृत्यु हो गई। उन्होंने इस ग्रंथ को अपने पुत्र जल्हण को सौंप दिया था, जिसे बाद में जल्हण ने पूरा किया। रासो के अनुसार गजनी का शासक शहाबुद्दीन द्वारा ~~पराजित~~ पृथ्वीराज के पराजित होने पर उसे कैद करके गजनी ले जाया गया। कुछ दिनों पश्चात चंदबरदाई भी उसके पीछे गए। वहीं गजनी में ही पृथ्वीराज चौहान के साथ चंदबरदाई को भी गजनी का शासक शहाबुद्दीन ने मारा डाला।

Scanned with CamScanner